

『障害』という言葉の意味

広島県立広島特別支援学校
高等部第3学年 秀川 璃玖

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|---|----|--|--|--|---|---|--|--|---|
| 僕 | 障 | | に | い | は | 人 | 考 | 在 | | る | 障 | 『 | い | ン | う | | | | | | | | | 『 |
| な | 害 | 振 | ま | 。 | 今 | 生 | え | だ | 一 | も | 害 | 妨 | た | デ | な | 皆 | | | | | | | | 障 |
| ん | が | り | つ | そ | 、 | の | て | と | 部 | の | 者 | げ | 。 | 』 | 意 | さ | | | | | | | | 害 |
| か | あ | 返 | わ | れ | 障 | 妨 | い | 考 | の | 』 | が | る | し | や | 味 | ん | | | | | | | | 』 |
| い | る | っ | る | は | 害 | げ | た | え | 人 | と | 抱 | も | か | 『 | を | は | | | | | | | | |
| な | せ | っ | 喜 | た | が | に | 。 | る | は | い | え | の | し | 不 | 想 | 、 | | | | | | | | |
| け | い | み | び | く | 人 | な | し | 人 | 、 | う | て | 』 | 、 | 便 | 像 | 障 | | | | | | | | 』 |
| れ | で | る | が | さ | 生 | っ | か | も | 障 | こ | い | と | 改 | し | と | 害 | | | | 高 | 広 | | | と |
| ば | 周 | と | あ | ん | の | て | し | い | 害 | と | る | 記 | め | た | 記 | と | | | | 等 | 島 | | | い |
| い | り | 、 | っ | の | 妨 | い | 、 | る | と | な | 障 | し | て | だ | し | い | | | | 部 | 立 | | | う |
| い | に | 中 | た | 人 | げ | の | 果 | だ | は | の | 害 | て | 辞 | ろ | 書 | う | | | | 三 | 広 | | | 言 |
| 。 | 迷 | 学 | か | と | だ | だ | た | ろ | 人 | か | は | い | 書 | う | で | か | | | | 年 | 島 | | | 葉 |
| 死 | 惑 | 二 | ら | の | と | ら | し | う | 生 | 。 | 人 | た | 意 | か | 味 | を | | | | | 特 | | | |
| に | を | 年 | だ | 出 | は | う | そ | 。 | の | | 生 | 。 | 味 | 。 | 聞 | 聞 | | | | 秀 | 別 | | | |
| た | か | 生 | 。 | 会 | 考 | か | れ | 昔 | 妨 | | の | い | を | いて | い | いて | | | | 川 | 支 | | | |
| い | け | の | | い | え | 。 | は | は | げ | | 妨 | 調 | 調 | ど | て | ど | | | | 璃 | 援 | | | |
| な | て | 頃 | | や | は | | 本 | 僕 | に | | げ | べ | べ | の | の | の | | | | 玖 | 学 | | | |
| ど | し | の | | 、 | い | 実 | 当 | も | な | | と | る | る | よ | よ | よ | | | | | 校 | | | |
| と | ま | 僕 | | そ | な | は | に | そ | 存 | | な | と | と | | | | | | | | | | | |
| 考 | う | は | | れ | | 僕 | | う | | | | は | と | て | ハ | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|
| ろ | 握 | | え | ば | 持 | な | | 生 | | せ | | そ | 前 | | 葉 | め | 苦 | 当 | え |
| け | っ | あ | た | 残 | っ | い | 障 | き | 『 | る | 父 | れ | も | 一 | を | て | し | 時 | る |
| て | て | る | ° | り | て | の | 害 | て | 障 | き | の | も | 生 | 人 | か | い | め | の | こ |
| 他 | い | 日 | | の | な | が | を | い | 害 | っ | 言 | 何 | ま | は | け | た | め | 僕 | と |
| の | な | 、 | | 人 | く | 事 | 持 | く | は | か | 葉 | か | れ | 何 | て | ° | て | を | が |
| 人 | か | 僕 | | 生 | て | 実 | っ | ° | 人 | け | は | を | た | か | れ | い | し | 苦 | 多 |
| の | っ | は | | を | も | だ | て | こ | 生 | と | 僕 | す | と | を | た | い | し | し | か |
| 足 | た | 電 | | 楽 | 、 | ° | 生 | れ | ま | な | を | る | き | す | ° | い | め | め | っ |
| を | た | 車 | | し | 『 | し | ま | が | れ | っ | 改 | に | か | る | | た | て | た | た |
| 踏 | め | に | | く | 今 | か | て | 僕 | き | た | め | あ | ら | 為 | | ° | い | ° | ° |
| ん | バ | 乗 | | 、 | 』 | し | き | の | た | ° | て | る | 障 | に | | | た | ° | そ |
| で | ラ | っ | | 幸 | 生 | 障 | た | 人 | こ | | 『 | ん | 害 | 生 | | | ° | そ | し |
| し | ン | て | | せ | き | 害 | と | 生 | と | | 障 | よ | を | ま | | | の | の | て |
| ま | ス | い | | に | て | を | は | な | は | | 害 | ° | 持 | れ | | | 言 | 言 | それ |
| っ | が | た | | 生 | い | 持 | 変 | ん | 障 | | 』 | | つ | 来 | | | 葉 | 葉 | ら |
| た | と | 手 | | き | る | っ | え | だ | 害 | | に | | と | と | | | が | の | の |
| り | れ | す | | よ | の | て | ら | ° | と | | 向 | | る | る | | | 自 | 言 | 言 |
| し | ず | り | | う | で | い | れ | | 共 | | き | | け | ° | | | 分 | 葉 | 葉 |
| て | 、 | を | | と | あ | て | | | に | | 合 | | ど | お | | | を | が | が |
| い | よ | | | 考 | れ | も | れ | | | | わ | | 、 | | | | を | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|----|----|----|---|----|----|----|---|----|---|----|----|---|---|
| だ | | 「 | も | 分 | 人 | は | 人 | 常 | | っ | と | 救 | 女 | て | ん | 公 | 彼 | 「 | た |
| と | 僕 | 心 | 存 | か | か | い | 生 | 者 | た | た | が | っ | た | た | の | 共 | 女 | こ | た |
| 考 | の | の | 在 | か | ら | け | の | で | と | 小 | で | っ | ち | 傷 | 勇 | の | た | こ | そ |
| え | 考 | 病 | す | る | 「 | な | 妨 | 生 | え | さ | き | て | は | つ | 気 | 乗 | ち | こ | の |
| て | え | 「 | る | の | 障 | い | げ | ま | 、 | な | た | く | は | く | が | り | は | ど | 時 |
| い | る | や | の | で | 害 | 。僕 | と | れ | 障 | 幸 | 。僕 | れ | 譲 | こ | 必 | 物 | 僕 | ぞ | 近 |
| る | 「 | 人 | は | は | 」 | の | か | て | 害 | せ | は | 。お | つ | と | 要 | で | の | ！ | く |
| 。 | 障 | 生 | な | は | か | 持 | 、 | き | を | が | 本 | か | て | だ | だ | こ | と | 「 | に |
| 「 | 害 | に | い | な | る | っ | 自 | も | 持 | 今 | 当 | げ | 、 | あ | と | と | を | 手 | い |
| 障 | 」 | お | か | く | 「 | て | 分 | 、 | っ | の | に | で | そ | る | 僕 | 心 | す | た | |
| 害 | は | け | と | 、 | 障 | い | は | 同 | て | 僕 | 嬉 | 僕 | し | か | は | 配 | り | 高 | |
| 」 | 、 | る | 感 | 見 | 害 | る | 惨 | じ | 生 | の | し | は | て | ら | 考 | し | を | 校 | |
| と | 「 | ピ | じ | え | 」 | 「 | め | 人 | ま | 糧 | か | 事 | そ | だ | え | て | 讓 | 生 | |
| 向 | 神 | ン | る | な | 障 | 障 | だ | 間 | れ | と | っ | 故 | の | 。け | て | っ | つ | の | |
| き | か | チ | こ | い | 害 | 害 | 。し | だ | て | な | て | な | 勇 | れ | い | て | て | 女 | |
| 合 | ら | で | と | 「 | 」 | 」 | か | 。決 | き | ん | 。こ | く | 気 | 。断 | る | は | く | の | |
| い | の | あ | が | 障 | は | は | し | し | も | て | う | 帰 | が | ら | た | た | れ | 子 | |
| 、 | 試 | る | あ | 害 | 他 | 他 | 見 | て | 、 | い | い | る | 僕 | れ | だ | た | た | た | |
| こ | 練 | 。 | る | 」 | の | の | て | て | 健 | る | い | こ | を | 、 | さ | 。。 | 。。 | ち | |
| の | 」 | | る | 」 | て | の | て | て | | 。。 | い | こ | を | 彼 | れ | 。 | 。 | が | |

＜指導者の言葉＞

国語科「国語表現」の単元「調べる」において、生徒が疑問に思ったことを中心に調べ学習をしました。そのことについてまとめたものに自分の意見を加え、クラス内で発表して意見交換をする学習の際に作成した作品です。発表については、最終稿の直前で意見交換を行うことで、自分の文章の癖やよく使いがちな言葉、その他の自分では気づけなかった点について話し合う場を設けたことで「気づき」の場面が増え、もっと良い作品を書きたいという意欲にもつながりました。

以下の3点に留意して書くよう指導しました。

- ①具体例などを用いて相手に分かりやすく伝える。
- ②他者の言葉の引用部分は必ず引用とわかるように工夫する。
- ③他者の意見を取り入れ、新たな視点で考察する。

本生徒は「集めた情報の検証をしてみることを目標に、自ら課題に選んだ「障害」という言葉に関する考え方や認識などをインターネットと書籍で比較しました。その際に、自身の体験を基に「障害」について改めて考察し、昔の自分の考え方、現在の自分の考え方を比較し、何が自分にとっての障害なのか、障害の本当の意味や人生における捉え方について前向きに語っています。表彰式では「障害とは人生の妨げではなく、これから生きていく上で大切な越えるべき壁のようなものだとは私は考えます。」と発表しました。改めて向き合った「障害」という言葉でしたが、生徒自身が新たな捉え方を見出した作品になっています。